



ॐ ज्ञातुं वंद्यादकतुं साहाय्यं वाचि ॥ १ ॥ इत्यारम्भं वज्रादक ॥ २ ॥ धनं वाचा
 यथा हि ज्ञातमात्रं सर्वतथागतं सापिना ॥ ३ ॥ गार्थं धनं सा सकलं तथागतं पनी
 ज्ञातुं रुयं ॐ स्नानं याता ॥ ४ ॥ रुथं हं स्नापयिष्यामि ॥ ५ ॥ इदं विनयादिना ॥ ६ ॥ यथा ॐ ज्ञिने
 स्नानं याता ॐ ॥ ७ ॥ इत्युवाच ॥ ८ ॥ ॐ ज्ञाः सर्वतथागतां जतिष्वकं समं श्रियं हं ॥ ९ ॥ ध्वं सकलं
 तथागतं जतिष्वकं काया ॥ १० ॥ स्नानं याता ॐ ॥ ११ ॥ स्नातुं २ कायवि ॥ १२ ॥ धनं साहा ॥ १३ ॥ जाव
 मनयासी ॥ १४ ॥ जति ॥ १५ ॥ इत्युवाच ॥ १६ ॥ ॐ नमो गवतं पूष्यकं ॥ १७ ॥ उवाच ॥ १८ ॥ श्रीपूष्यकं ॥ १९ ॥

[illegible]

ननां॥ स्नानजाकिलस्वसंस्मृत्यंमदुलसहायक॥ दानं॥ एममयमं वनावसहितं॥ ल
स्वसहित॥ एममयनवथिलाउदानंपात्रउन्म॥ शीलंससन्माउनि॥ उदिनवपूना
उशीलस्यतावनशुद्धयाय॥ काकिः॥ इडपिपीलिकाद्यपनयां॥ सपानिजादिनलि
थियकाउकमाधमत्रिशया॥ वीर्यंक्रियात्वापनं॥ क्रियाउथययानाउपत्राक्रमय
याधमनंतकृदमकविरुक्त्रयी॥ उकचिरुनधमनयाया॥ प्रहसलेखाकलाहान
प्रकाशयास्यं वृद्धिबलदयक॥ उतापात्रमिताः॥ षटवशात्ररुतंकृत्वाभूनेमदुलः
मूलिषधात्रमितांपूत्रशस्यंलिमूनिमदुलदयक॥ हवउकनकवर्त्तसर्वत्राग

विमूकः॥ सूत्रमनूजविजिष्ठचन्द्रवदीफिकाकि॥ अतयाप्रहावनदेवमनूष्य
सुउलमश्याउः चन्द्रमार्थितेजश्याउः सुवर्हत्रलनघापलरुस्यंजागमूक
यिउः॥ धनकनकसमृद्धाजायतत्राज्रवंशसूगतवत्रगुरुसिंकायकमानिकुला॥
ज्वलस्यंतथागतयागुरुमकुलदयकलउः प्रजाजायाकूलसजन्मश्याउः महाध
नाग्रश्रुयिउः॥ ॥ ओंमकुलषसूलषसर्वतथागतअधिष्ठानाअधितिष्ठकुला
हा॥ मकुललेषनावानलाकाउः सकलतथागतअधिष्ठानयास्यंविश्वाचका॥ ओं च
डाकविमलेखाहा॥ ओं वज्रसत्वसर्वविद्यानूसात्रयहं॥ श्रीवज्रतथागतनविष्णुस

कलिरूटका उ व उ सूर्य च्यं निर्मया न ॥ ॥ ॐ ह मा हा म ख्य म त्र व न मः ॥ म त्र म सु
ल या द थू स ॥ ॐ ङीः म ध्य म त्र व न मः ॥ म त्र म सु ल या द थू ज उ ॥ ॐ हं स क म ख्य म
त्र व न मः ॥ म त्र म सु ल या द थू ख उ ॥ ॐ यं प र्व ढी पा य न मः ॥ प र्व ढी पा ॥ त्रं ज म्बू ढी
पा य न मः ॥ द कि ण ढी पा ॥ ल ज्ज प त्र ए म ज व त्रि य न मः ॥ प ष्चि म ढी पा ॥ वं उ लू त कू त
व न मः ॥ उ लू त ढी पा ॥ या उ प ढी पा य न मः ॥ अग्नि का ण ॥ त्र उ प ढी पा य न मः ॥ ने अ
ह्म का ण ॥ ल उ प ढी पा य न मः ॥ वा यू ब का ण ॥ वा उ प ढी पा य न मः ॥ रू सा न का ण ॥ य
ग ज त त्वा य न मः ॥ प र्व ग ज त त्वा ॥ त्र अ श्व त त्वा य न मः ॥ द कि ण अ श्व त त्वा ॥ ल प त्र ष

त्रत्वाय नमः शापश्चीमपूत्रपत्रत्वावंस्त्रीत्रत्वाय नमः शाउरुत्रः स्त्रीत्रत्वायाखड्गत्रत्वा
य नमः शाअग्निर्कादाखदगत्रत्वा॥ त्रामहित्रत्वाय नमः शा नैषत्कादासहित्रत्वालाच
कत्रत्वाय नमः शा वायूकादाचक्रत्रत्वा॥ वासर्वनिधानेत्वं नमः शा श्रीज्ञानकादाः निधि
त्रत्वा॥ चंचदाय नमः शा हूमत्रयाखडा॥ हूं सूर्याय नमः शा हूमत्रयाजडा॥ ओं जाः हूं
श्रीवज्रसहस्रगुत्रत्वं नमः शा मध्यह्नं नमः शा रामगुलसपक्षिपचात्रपूजायाया॥
वज्रगल्हाहा॥ विना॥ वज्रधूपसाहा॥ धूप॥ वज्रपूष्यसाहा॥ पूष्य॥ वज्रनैवधसा

शशङ्गुलि न त्रय प्रहा वं अथ काल सकलं दूद कला ॥ यथा यं संसात्र स ज्ञान
मिखान रिंक स्या उा श्री गुत्र हा सक्रया त क्रि थं न म सात्र या ना ॥ ॥ न भा वू छा य गु
व न मा धर्म यः सा रा ह न म संघायः मह उ वि त्या पि स त रं न मः ॥ गुत्र रु या उा वि द्या
क म्ब वू संसात्र त्रया क म्ब धर्म त उा ध न व्या खान या क म्ब संघः यत पि त्र त्र वू द्य
त सदा का त्रं न म सात्र या ना ॥ ॥ सर्व वू द्धं न म स्या मि धर्मं च जि न हा पि तां ॥ संघ वं
जी ल सं प त्र त्र त्र य न म रु तं रा सक ल वू द्ध या रं न म सात्रः वू द्ध या आ ह्ता नः धर्म या

तं नमस्कात्रा गीतं हाव संपूर्णं संघयात नमस्कात्रा ॥ तत्र तत्र उच्यं म सत्रं सर्वं
तिदिशमभ्यर्च्य ॥ अनुमाद उगत्पूषं वृद्धवा एवेदमनः ॥ त्रित्वस्रस्रस्रदिपापद
शानाः पूषानुमाद तमयास्यं वाधिविलु उत्पलियाया ॥ ॥ आवा एवेदं त्रं यामिः वृ
द्धधर्मग एम रुमं ॥ वा एवेदिविलु कत्रा म्यष सपत्रार्थ प्रसीदया ॥ वृद्धधर्मसंघयास्र
हा उना उः वाधिविलु उत्पलियास्यं संसात्रया कार्य सिद्धयाया ॥ ॥ उत्पादयामिष
ववाधिविलुः निम कुयाम्यष च सर्व सत्त्वान् ॥ ॥ रं च त्रिष्य वत्र वाधिवर्यं वृद्धा

हवयं जगताहिनाय॥ वाधिविरुडत्यक्तियानाऽः सर्वसत्त्वयातनिमक्तु धाम्यास्य
॥ वृद्धचयवल्लयाऽः वृद्धरुसंसात्रसहनयाया॥ ॥ दशनांसर्वपापानांप्रत्य
नां नानूमादनां॥ कृतापवा संवत्रिष्यामिः आर्याष्टांगमूपाषधं॥ सकलपापादि
पूष्पानूमादनायास्यां॥ आर्याष्टांगउपाषधवृत्तवल्लया॥ ॥ मया बालेन मरु
नयत्किञ्चित्पापमावितं॥ प्रकृतावयसावयं प्रहृष्टावयमवच॥ बालखमरु
रुयाऽऽसिस्मंमसिस्मंयानापापदयि॥ अथापसमस्तं दूकमालधकं कुलपाल

याकेदशनायाना॥ तदत्ययंदशयाम्भचनाथनामग्रतःस्फितशाकृताजैलिईः
स्वहीतःप्रतिपत्यपूनःपूनशाहनाथकुलपालयाजग्रसवानाउ॥ लाहातनि
पांहाजलपाउाईःखइयीउाधकंहानाउावात्रंवात्रनमस्कात्रयाना॥ ॥ अत्ययंम
त्ययंत्वनपनिगृह्णुनायकाशानरुडकमिदंनाथनकरुबंपूनमया॥ हनाथः
थलंहाजिंयापयाकयायधना॥ आउंनलिथअकल्यानपापगववलसंयायमर
ता॥ ॥ तथासमाननसमानकालंलोकस्यइःखंचसुखादयंचा॥ रुडिचकडिचैः

ममासु शक्तिमः प्रकासये वरानाः ॥ सूर्य उदय रु या ओ ग ॥ य सं सा त्र स प्र
काश या तः ॥ अ रु रु या ओ ॥ अ न्य का त्रः ॥ य ता थं ॥ सं सा त्र या रु ॥ र व रु रु का ओ ॥ स र व व ध य
या य स म र्थ द य माल य कं ॥ आ सि का या या ॥ ॥ पृष्ठः ॥ अ नो न स्म ति मा ग ना वा इ
ष्टः ॥ क था या ग मू पा ग ना वा ॥ स र्व प्र का त्रं ॥ अ ग ना हि ता नि कू र्णा म उ द्यं ॥ स र्व संहि त
या ॥ द न उ अ क या त क नः ॥ सा उ अ क या त क नः ॥ स र्व उ प्र का त्र या ना नं ॥ सं सा त्र या त हि त
या ना उ ॥ स र्व वि य गु ली सः ॥ स म र्थ या या ॥ ॥ अ र्थ सं ख द क न व लि प्रं रु द्दी ॥ य न

वलि सङ्खलखतया ॥ ॐ ऊँ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मकुलं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
पद्मनाभं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यादनां नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कुलपनायासं पूजयाम ॥ ॐ ऊँ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
च प्रदीपं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
रुखाहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

स्वाहा॥ वनूद्यस्वाहा॥ कवेनायस्वाहा॥ अग्नयस्वाहा॥ नेत्रयस्वाहा॥ वायुवेस्वा
हा॥ इंद्रायस्वाहा॥ उरुवृक्षस्वाहा॥ सूर्याग्रहाधिपतेस्वाहा॥ चतानकज
धिपतेस्वाहा॥ अक्षिपृथ्वीस्वाहा॥ नागस्वाहा॥ असुरस्वाहा॥ यकृत्स्वा
हा॥ सर्वदिग्विस्त्राकपालत्वः स्वाहा॥ **थतदशदिगुलोकपालादिस्नानवाय॥**
पश्चिमपश्चादवलिपूजनं॥ वलिसर्पं वा पश्चात् पूजायाय॥ ॥ **षा उज्जलाग्भा**
दिघृष्टावादनस्तुतिर्नव्यन॥ ॥ **षा उज्जलाग्भा आदिनस्तुतिर्नव्यनविय॥** ॥ **सा क**
तजलं वलिनिश्चयितनं॥ ॥ **सां जा किलखसखासं वलीसहायक॥** ॥ **रूडादिवजीठ**

सहस्रवसंवेतिमंचगृह्णन्तु बलिविजिह्वशाजग्निर्यमानेऽस्यकादापश्च, जपां प
पनीवायूधनाधिपोच॥ श्रीज्ञानरूपाधिपतिंचदवाउर्द्धं चडाकूपितामहश्च॥ द
वासमस्तु गुविपचनागमः धना २ गुह्यगोऽसमस्तु शासपूयदात्रासहृत्त्यः संघाः

पूष्यं बलिधूपविलेपनंच॥ गृह्णन्तु रुजन्तु पिवन्तु चंदं दवेडकर्मसरुलंशगन्तु
॥ वज्रधारात्मया कर्मरुतु आदिन जग्निः यमः नेमः सत्यः वरूदाः वायूः कूवेत्रः महाद
वा॥ उर्द्धं गुवनयानाजाः चन्द्रसूर्यादिब्रह्माः पृथ्वीमाताः नागलोकः देवलोकाः थ
पनीसया रूपाः पूरुषो गुदासदासी सहितश्याडाः थ पूष्यधूपदीपगन्धनैवश

[illegible]

लिमकुवानाउत्तानकाकिलखसहस्यंवलिसचक्रक॥ ॥यधमहिउप्रहवाःह
उक्तुषांतथागतशाकवदरुषांथानित्रांयउवंवादीमहाश्रमदाशावायूचक्रका
मथसकआत्माधर्मसंसात्रहुनउत्पलिकुलःथहुयागतथागतधाय॥थगुली
प्रकात्रदाशीशकसिंहतगवानंसंसात्रचक्रहिउहिलाउत्तानगुमहिमानिश्चय
नआह्लादयकला॥ ॥ओंवज्रसत्त्वसमयमनूपालयःहवज्रसत्त्वत्वंमांसमयंप्र
तिजूनूपालय॥हजगत्संसात्रवकायाककवज्रसत्त्वपत्रमश्वत्रकुलपालसनजि

तस्मयत्र कायाय विद्याय मालः वज्रसत्त्वेन प्रतिष्ठः वज्रथ अल्पद्यश्या उ
विद्याय मालः इष्टा मत्तवः त्रिउपत्रसदृशय मालः सूना ध्या मत्तवः त्रिउपत्रस
सैना ध्यशय मालः सूपा ध्या मत्तवः त्रितपा ध्या य मालः अन्न नका मत्तवः त्रिउना
पत्रसया य मालः सर्वसिद्धि मप्रयक्तः सकता कर्मसंजित सिद्धि दय मालः सर्वक
र्मसूच मवित्तु श्रीयंकू नूः सकता कर्मसंजित तया उ त्रित नका या य मालः हं ह
हृहृहा तगवन्सर्वतथागतः ह सकल तथागत पनी त्रित ग्व वेल संता ल न म

तं उ० वज्रमामं च वजी रुव० जि त वज्र थं क व च या य माल० महासमयसत्त्वभाः
सकललोकया तसमयत्रकाया यमाल॥ ॥ शतारुं पठित्वा द्विसर्जनं ॥ शत
रुं धूसं लिखितं सर्जनयाया ॥ ॥ कृते व सर्वसत्त्वार्थं सिद्धिं दत्वा यथा नृगमशाग
रुं धं वृद्धविषयः पूनरागमनाय च ॥ सकलसंसात्रया तं जि तं सिद्धिरुलविया
उगथथ उगु जु वनन विज्ञाना ॥ अथं थ उगु विषय संतु विज्ञा ह पून वत्रि
दया प्रसन्न ह विज्ञाय मा ॥ ॐ अः रुं ग रुं २ म रुं ल वि स र्जनं ॥ रुं ग रुं व रुं धर्म

४१

सं॥ विष्णुहृदलिहामुलविहर्जनायधूना॥ ॥ नमोऽस्ति श्रीगुरुभ्यः

कुलमाहात्म्यसंपूर्णसमाप्तः॥ (०) ॥ ८८ ॥ २॥ सम्यग्ज्ञानदम्भि

नष्टस्य मास्यकृष्णपक्षे प्रतिपदायां निधूः अस्तानरुः सिद्धिः शागजथाक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥

थकूद्रुठनगोलः हास्करदवसस्कात्रिगः कंसचन्द्रवकूतपात्रावनमहाविहा

नवहस्तः श्रीमालिचिदवतासवकश्रीवजाचार्यः चखानन्दनः ॥ अस्य रूपा

किं प्रविमास्तनगत्रे दत्तनालः पसननियानोत्राधः तानसिंयातवायाडा

वियास्तनाशुहंशा ८०३३॥ ८०३३॥

उद्यानान्नवक्रुणो निलयूना विद्युद्दनालः सनादुज्ज्वानिः प्रिननयाने ला
कमहिना प्रियं यथापूरुद्विस्तान्नसां वीकनूवा स्वानुद्धाहनाला
वालावविवात्रिका विप्रिहिकापातु वानिमानुद्धाहनाला
काद्यादि वक्ष्यविना प्रान्नान्न कलनामृतासुवाशु आकनवृता यमावि
द्यावृद्धकद वक्रुणशारुद निस्तानंजालालितार्ज गम सुननु

प्रोवात्राहिकावृतासि

समिद्ध कृपा कृत॥

॥ मिलन कृपा लब्धि मित्रात् ॥ जं अ मित्रा

कृपा धन ग्राह दय अ ॥ ~~ब अ~~ मित्रा कृपा कर सुख न ल्याय

मात्रि अ ॥ मित्रा निरप न कृपा गुरु श्रु अ ॥ जं अ कृ सय न कृ

सा मित्रा ह दं अ ॥ स्व अ नि ~~मि~~ न सा को पं अ ॥ कानि का न सा

प्राप्ता मित्र ह य ॥ कृपा अ न सा न नान हो न य दं अ ॥ कृ

उसि न सा न अ श न या न श्रु अ ॥ गत्र या न न सा लि स हि न मि

उ श य अ ॥ जं अ का ह न न सा स्व द ग सि धि दं अ ॥ स्व अ का ह न

न सा धन हा न श्रु अ ॥ जं अ इ इ न सा कान यं अ ॥ स्व अ

इ द न न सा सा स व न सा

इइ नुन सा मा म व वामिनु इ ॐ अ ॥ इइ नै या नुन सा धे नु नार द ॐ
अ ॥ या थ या नै नु नुन सा र मि हा नु नु य अ ॥ र ह्या या ह्नु अ नुन सा वि ह
ह ॐ अ ॥ ऊ अ या वि ऊ नुन सा वि ह ॐ अ ॥ वृ अ या वि ऊ नुन सा ग व
म न व न वि ॐ अ ॥ अं म क्रा य नुन सा ह्नु म अ ना वा द र व ह्नु अ ॥ ऊ अ
अ या नुन सा मि ना र द ॐ ॥ इ य अ य या नुन सा र मि ना र द ॐ अ ॥ मि या र व
या नुन सा न क य सा द न ॐ अ ॥ मि ना नुन सा मि अ य स द य या य द ॐ अ ॥
ऊ अ य या र नुन सा उ नु ह्नु अ ॥ इ य अ य या नुन सा म रि द ॥ न य अ य न य अ य

तुन सा न तु या ह य द हूँ ॥ ज उ अ य या तु रु सा ग म ना ग म न ॥ इ व उ अ वा ना

तु न सा अ का न मि तु हूँ ॥ ज उ या नि तु न सा वि द स ग म न श य म न सि

॥ अ य उ या नि तु न सा वि वा द हूँ ॥ ज उ ना नि तु न सा अ न सि इ उ अ य उ

ना नि तु न सा नि मि तु हूँ ॥ नि गू ना नि तु न सा ग म न सि वि श हूँ ॥ ज उ अ गू वा

तु न सा हा ग न क हूँ ॥ इ व उ अ गू वा तु न सा थ न थ म न यि दा हूँ ॥ ज उ अ गू वा

नि तु न सा य त्र व न ग य मा नि उ ॥ इ व उ अ गू वा नि तु न सा वि द स ग म न उ न

मा नि उ ॥ म थ न अ ग तु क या रु त या ह ग या इ ला

ॐ नमो जी गनेस गमहा य ॥ काश्व पत्रि च्छायाय गुड्यकाय कोहन्या
गुथया दृव हल दृ सकीसु हाडि ॐ गुया न कून ॥ द दिवेन सोया डी काश्व
हान साः माह द नव द न्य मात्रि डी न ॐ नि न कून खया डी क व हाडि न
साः अ नर गु व सु को डा डी डी य द ॐ डी पा ३ ॥ अ गनि कून खया डी का
श्व हा न सा ॥ स सु ना स श ॐ डी ॥ ४ ॥ ॐ न न सा या डी काश्व हा न सा ॥ स नि या
श्व द न द ॐ डी ॥ ५ ॥ ॐ सा न खया डी क श्व हा न सा सि धि या श्व द न द
ॐ डी ॥ ६ ॥ ह मि स चो डा डी ह मि स क खया डी हा ना सं सु या ह य द ॐ डी

॥ थ नं छ प ह न छ को र प ह ड या पा न छ ॥ पूर्व उ व या ड को र प ह न सा व व
न सि वि द ॐ ड ॥ १ ॥ अ न नि सा या ड : को र प ह न सा क्क वा या यू रा र व ड न
द ॐ ड ॥ २ ॥ दा छ न स या ड को र प ह न सा ना ॐ न ड न सा नि ड ॥ ३ ॥ जे
नि कु न स या ड को र प ह न सा स म रि ड म रि ड मी य द ॐ ड ॥ ४ ॥ प वि म
स या ड को र प ह न सा वि न नि सा न स य द ॐ ड ॥ ५ ॥ वा ॐ व कु न सा या
ड को र प ह न सा ना ना या मा न द ॐ ड ॥ ६ ॥ ड न न दि सा सा या को र प ह न सा
नू रा ध न या सा न ह का य नि ड ॥ ७ ॥ ॐ सा न कु न सा या ड को र प ह न सा स

सुभा व हं ॐ ॥ ८ ॥ मि वा व हं स स वा व डी क इय हान साना नानामान्य
दं ॐ ॥ ९ ॥ थ न वा क्रि हं स का इव हा अया पति ध्या श सो गुरु हा हं ॐ ॥
पूर्व स साया अ का इव हा अ न सा अ न ग या ह य ~~हं~~ न मानि अ ॥ १० ॥
अ गानि क न साया अ का इव हा अ न सा धन गार दं ॐ ॥ ११ ॥ द वि न
दि सा स साया अ का इव हा अ न सा धा न इ ई न दं ॐ ॥ १२ ॥ नं ॐ ॥ नं क न
साया अ का व व हा न अ न सा य न द स अ न व न सहि था स वा स न ॐ ॥ १३ ॥
॥ व थि म स स या अ का इव हा अ न सा म हि गुरु व हं न मानि अ ॥ १४ ॥ उ न न
साया अ का इव हा अ न साः क व या व सु दं ॐ ॥ १५ ॥ ॐ सान क न साया

अ कोइव हान डान सा सुक्तु लोह मोह इव ठ न मा न ड ॥ १ ॥ य ड यो व
रु स स यो व ड अ क इव सा मो न काय म यो ह न थ ड अ थ र या सा यि ना प त ॥ ०० ॥ ड
॥ ॥ ह मिस यो व ड अ ह मिस क स या ॥ ड हान सा ना न मान नाय द ॥ ०० ॥ ड
॥ ॥ ॥ थ न साय ह स ह स ह ड या र न ना ॥ ०० ॥ ०० ॥ थ स स न या ह सा ॥ ०० ॥ सा य
ह नान स ह ड या द न ॥ म नू थ या क स ह ड ड कोइव हान सा नाना ॥ ०० ॥ व स
ना ह द ॥ ०० ॥ ड ॥ ॥ इव य न या सि मा स यो व ड ड कोइव हान सा सा य द ॥ ०० ॥
ड ॥ ॥ इव सिस यो व ड ड क म हान सा क या इव द न द ॥ ०० ॥ ड ॥ ॥ धी सि गु सि मा स
ह ड ड कोइव हान सा नाना ना ह द ॥ ०० ॥ ड ॥ ॥ औप मा स यो व ड ड कोइव हान सा

६०० ॥ कौ कौध के का इय हा न साः ख न व लु क ६०० ॥ कौ कौध
 के का इय हा न सा गु वं न थ ड ग हा न स त्रा ०० ॥ ०० नि नं दि क सा
 नाय स माय ॥ थ न का ख य नि द्या या य श ला ०० ॥ थ य ह न या



१ पाइ धन गार

२ त्रि या का ग स ध

३ न न न ना स

४ शो डा धि धन ना स

५ य व मि न कि मि ना र

का न व क वा स्य न या श ला

आ दि न वा ल स उ ग र स का न वा नि ड

मोगनास

४ दीर्घाधिपननासं

५ यवमित्र क्रिमिनाह

७ स्वस्तिमिकनरुशः००३

१ संयत्नामिं गुन राह

८ भूस्मिस्तु वक्ष्ये इति ॥

२ नडा मि मि ३ १ ३ ३

कारवक दोस्यन याइला

अदि न वाल स उ प्र स कान बानि डी

श्वसवात्रस्वा ॐ यस्कात्रवानिअ

मंगुवा न स यद्वि म स का न आनिडा

वृषवानसनायिनिहसकाग्यानि

॥ १ ॥

१० दसमि लुमिगारदहुंडा

शुक्रवारसजगोनिस्कारधानिडा

११ यकादसिगसगारदहुंडा

सनिववारसपुनविसकाशानि

१२ द्वादसि सतुंघनयशहुंडा

कारलिङानथानसाशुवशहुंडा

१३ त्रयोदसिकाशसिधशहुंडा

कारकडसगानसाकाशसिधिशहुंडा

१४ चतुदसिकाशसिध

कारगडसगानसाकाशसिधहुंडा

१५ पुनसासिकाशसिध

कारहुडानगानसासिधहुंडा

अगिनियाकारचक्रयास्यनयाशलाभुतमंगनरुवतुसर्वदाकार

पाइमडा मि ॥ १ ॥ नडा मि ॥ २ ॥ पूर्वस ज्ञागिनि यानि ॥
जिगिया ॥ ३ ॥ यका दसि ॥ ४ ॥ अरानि सज्ञागिनि यानि ॥
पयमि ॥ ५ ॥ अथा दसि ॥ ६ ॥ दथिन सज्ञागिनि यानि ॥
वडाथि ॥ ७ ॥ दादसि ॥ ८ ॥ जे ~~द~~ मि न सज्ञागिनि यानि ॥
१० स्मि ॥ ११ ॥ वडु दसि ॥ १२ ॥ वा ~~व~~ सज्ञागिनि यानि ॥
सपनमि ॥ १३ ॥ अमावास्या ॥ १४ ॥ वा ~~व~~ सज्ञागिनि यानि ॥
दुनिया ॥ १५ ॥ दसमि ॥ १६ ॥ अत न सज्ञागिनि यानि ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ संध्यं जुलाकं वंद्यं गुणान्म

१

ॐ वंशु च साहा ॥ वाकाय

ॐ वंशु च साहा ॥ वाकं न

ॐ वंशु च साहा ॥ विकनसथुन

ॐ वंशु च साहा ॥ दंडाधमय

ॐ वंशु च साहा ॥ अश्वत्थगय

ॐ वंशु च साहा ॥ दंडागिकाय

ॐ वंशु च साहा ॥ दंडागिकाय

२

४



३

५

२

४

६

११ १६

५

१०

१५

२०

२५

६

१२

१८

२४

३०

३६

१	१४	२१	२८	३५	४२	४९			
४	१८	२४	३२	४०	४८	५६	६४		
५	१८	२५	३६	४५	५४	६३	७२	८१	
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९००	
११	२२	३३	४४	५५	६६	७७	८८	९९०	
१२	२४	३६	४८	६०					

[illegible]

[illegible]





अशु	हन्	कृति
नाहि	मग	अडा
पुनव	मिश	अशुन
मद्य	पूर्वका	उत्तरा
हृष्ट	विना	स्यानि
विद्या	अनुरा	कृष्ट
मन्	पूर्वका	उत्तरा

मवन धर्मशास्त्र

पूर्वोक्तं नव

३५

वननाम वन शय ग्राहय २ ३	मिसानखान गानय १	इननाम शय ११ ११	क इननाह लाग दय आपिनि ३ शय ३	थममय य १	इनना दु सहय नडि ११ गहाय ११
किमानदा शनय ४	आदिप्रवात मनवुअयाह ल	१० मिमावद यहय	कगगर्नय मय पिनि ४ शय	सामवागव नवअयाह बंडमा	अश्वत सय १०
पुगह १ य	१ मिमाननक गानय	६ पापिष्ट शय नि आगी शय	पुगअकि गोहह ७ य थमम यहय	१ निधुअय दय	६ स्माव यकाद थम य मयह य
दनिदह	मामववथम	दनिदह	इनअंग	पुगवअपि	इननाम

पश्य	मामववथम	दातिदश	इनजंग	पुनखडापि	इननास
दतिदश	शुशयमा	य	हान शय	मिहसय	हय य
नगर	वायसासहम	नडादि	नाअपा		यद
हय	वाकिदय	११ दय	गमास्य	१	११ य
दाहकि	मंयत्रवाग	नाहमीन	इनजंग	वद्ववागव	इनजं
नासुशय	रनवडा	कायहय	हय	नवडाया	मशय
	याहग	१०		हग	
कायम	थमचाथह	पापि	पुनदय	इनयगना	इम
वादय	लीनिकाम	हय	मग	हदय	यागय
थाक	वाम	हय	दय		थम
य					मशय
य					हय

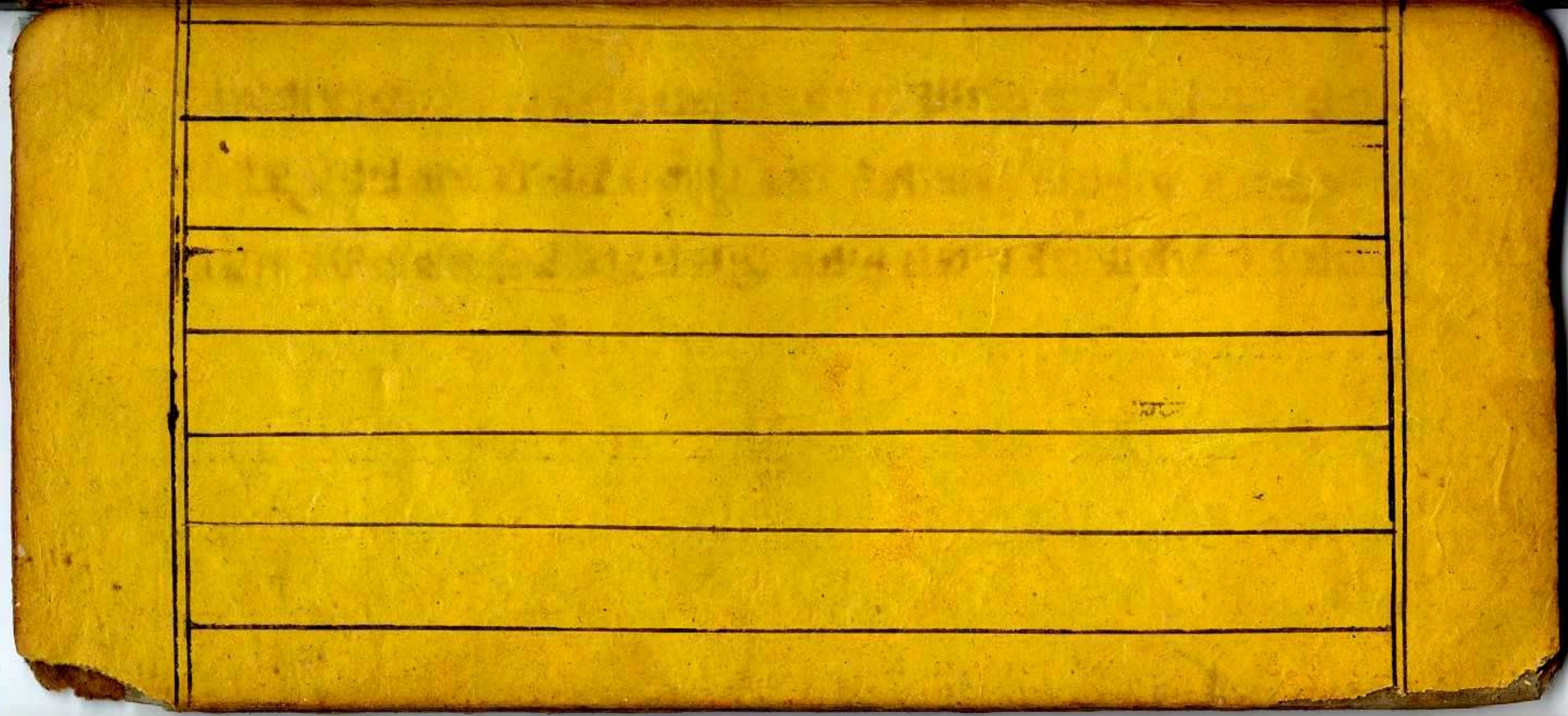
वननाम न शय यमिय सगुय १२ ११	कायमूत्राय कादयूलाय मानिहय १	वननाम याय १२ ११ नश्य	पुगुयिनि शय दाशकि काजाय १२ ११	वनजंगल यविद्याम यकजवक्ष १	वनिजान शय नडा १२ ११ नश्य
सपानिद ४ यकहय	वृक्षनिवान वनूकजाया हन	गुयसपनि १० दय	वनजंग ४ शय	शुकवा नवनूक याहन	मिशनहस मिसायास १० हावह य
गुय १ हय	१ लागिजंग	४ वनज नश्य	पगुज १ दिहद ४	१ विपनिह	४ वनज नश्य
सगु नामया य	हय	यम मथह य	सगुज दीकंद य	यकजान जावायमा लाडा	यज मगुह य
दाजिद	यममगुह	नाजाज	दाविह		गंगनाम

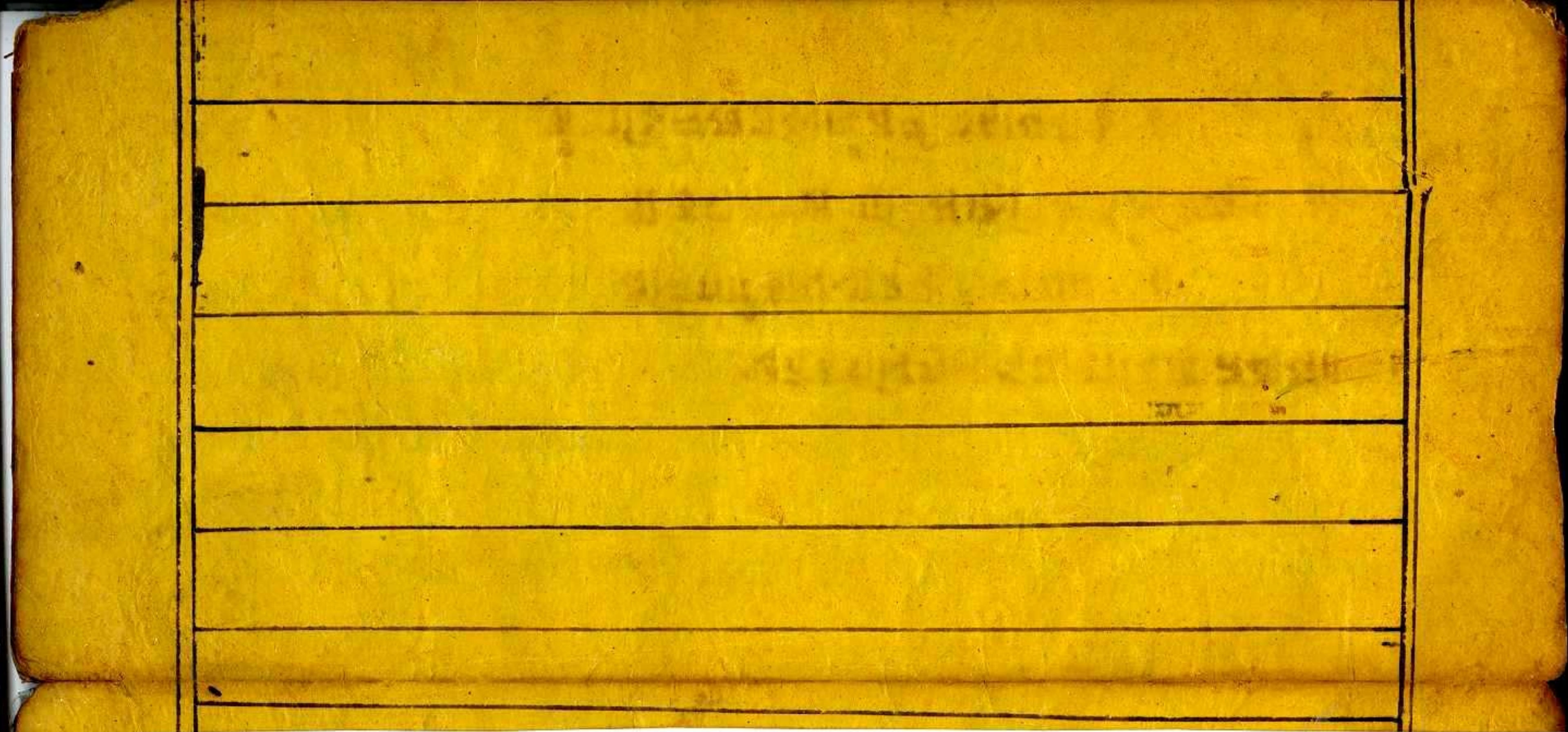
४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३
४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३
४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३
४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३	४३ ४३ ४३ ४३



१	२	४
१	१	३
५	१	५

























रु सगिः नक्षः सीयासं

शुकः क य गु सल

सति सगः मासः भू

लाह म्वाः रोग

क गु कालः वाग

रु म्वा सिंहासं भू

रु सगिः नक्षः

शुकः क य गु सल

सति सगः मासः भू

लाह म्वाः रोग

क गु कालः वाग

रु म्वा सिंहासं भू

रु सगिः नक्षः

शुकः क य गु सल

रु सगिः नक्षः

शुकः क य गु सल

सति सगः मासः भू

लाह म्वाः रोग

क गु कालः वाग

रु म्वा सिंहासं भू

रु सगिः नक्षः

शुकः क य गु सल

१

२

३

४

५

६

७

८

५

ॐ

ॐ नमो गायत्र्या नमः ॥ ३ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
ॐ नमः ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥

सूय्या वा रुया उम सु

विनाजनि सा हं नागा ३

विनाजनि वि नागा १

कं सु ३ नि म् १ नि वा रुय

म ल व ७५२

सयात अनि धर नागा ६

हि वि रुय माया उम सु

क य म ना वा म ना

मि ध व कं दि

म न रु ना व कं दि

थ नि मा सा गा नि ना रु जा ना प न क